

जी.एम.एन. कॉलेज में रही शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'बसंत उत्सव' की धूम

अम्बाला, 22 फरवरी (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज के संगीत, युवा एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डा. रोहित दत्त के मार्गदर्शन में आयोजित भव्य शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'बसंत उत्सव' की धूम रही।

कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित सुरेश गंधर्व ने अपनी मनमोहक गायन शैली से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ हारमोनियम पर डा. तरुण जोशी, तबला पर नितिन शर्मा तथा नगमा वादक के रूप में अभिषेक मेडल ने अपनी उत्कृष्ट संगत से संगीतमय वातावरण को और भी जीवंत बना दिया।

डा. एस.एस. नैन ने कहा कि सभी श्रोता इन महान संगीत कलाकारों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियों से अभिभूत हैं। शास्त्रीय संगीत हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस तरह के आयोजनों के माध्यम से हमें अपनी समृद्ध परंपरा को महसूस करने और सराहने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि यह संगीतमय संध्या न केवल एक उत्कृष्ट सांस्कृतिक अनुभव थी, बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत रही।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. मंजीत कौर, सहसंयोजक डा. चंद्रपाल पूनिया एवं आयोजन सचिव डा. राजेंद्र कुमार थे, जबकि मंच का संचालन डा. मंजीत कौर और डा. अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के प्रोफेसर, कॉलेज के विद्यार्थी एवं संगीत प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें शास्त्रीय संगीत के विविध रंग देखने को मिले। पंडित सुरेश गंधर्व की शास्त्रीय गायन कला ने न केवल संगीत प्रेमियों को आनंदित किया, बल्कि युवा पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से अवगत कराने का कार्य भी किया। तबला वादन में नितिन शर्मा की अनोखी शैली और अभिषेक मेडल के नगमा वादन ने कार्यक्रम में एक अलग ही ऊर्जा भर दी। हारमोनियम पर डा. तरुण जोशी की संगत ने प्रस्तुति को और भी प्रभावशाली बना दिया।

डा. चंद्रपाल पूनिया ने कहा कि



गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज में आयोजित शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'बसंत उत्सव' के दौरान प्रस्तुति देते प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित सुरेश गंधर्व एवं अन्य।



गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज में आयोजित शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'बसंत उत्सव' के दौरान प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित सुरेश गंधर्व एवं विद्यार्थी।

शास्त्रीय संगीत हमारी संस्कृति की अमूल्य धरोहर है और इस तरह के आयोजन हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। कॉलेज का प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहें, ताकि

विद्यार्थियों को भारतीय संगीत की समृद्धि का अनुभव हो सके। इस आयोजन ने कॉलेज में सांस्कृतिक और संगीतमय वातावरण का संचार किया, जिससे सभी श्रोता एक

आलौकिक अनुभूति से भर गए।

अंत में, डा. राजेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों और कलाकारों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।